# प्रारंभिक संबोधन

**माननीय सदस्यगण,**

सप्तदश बिहार विधान सभा के चतुर्थ सत्र के शुभारंभ पर मैं आप सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ ।

वर्तमान सत्र के दौरान कुल पॉच बैठकें निर्धारित हैं, जिसमें वित्तीय वर्ष 2021-22 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरण के व्यवस्थापन के लिए एक दिन, राजकीय विधेयक के लिए दो दिन एवं गैर सरकारी संकल्प के लिए एक दिन निर्धारित है ।

माननीय सदस्यगण, लोकतंत्र की इस पावन धरती पर संवैधानिक शासन स्थापित करने की इच्छा इतनी तीव्र थी कि स्वतंत्रता प्राप्त करने के तीन वर्षों के अंदर ही यहॉ संविधान का निर्माण कर लिया गया । सर्वोच्चता तो संविधान को ही मिली, परंतु आम आदमी के मौलिक अधिकारों को सबसे प्रमुख स्थान मिला । कालक्रम में यह महसूस किया गया कि इस देश में मौलिक अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों की भी उतनी ही महत्ता है । अब जैसे-जैसे इस देश में लोकतंत्र मजबूत हो रहा है, वैसे-वैसे ही यहॉ लोगों में मौलिक कर्त्तव्यों के साथ-साथ समाज में नैतिक कर्त्तव्यों के प्रति भी जागरूकता बढ़ाने की भी आवश्यकता है । इस कार्य में हम सब जनप्रतिनिधियों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाती है ।

यह सुखद संयोग ही है कि देश एक ओर अपनी आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है तो दूसरी ओर हम इस बिहार विधान सभा के इस ऐतिहासिक भवन का शताब्दी वर्ष समारोह भी मना रहे हैं । शताब्दी वर्ष समारोह में 21 अक्टूबर, 2021 को माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद जी ने आकर और अपने संभाषण से बिहार विधायिका का जो मार्गदर्शन किया है, वह आने वाले कई वर्षों तक हमारे लिए नजीर बना रहेगा । उनके कर कमलों द्वारा विधान सभा परिसर में बोध गया से लाये गये पवित्र बोधिवृक्ष के शिशु पौधे का रोपण किया गया है, जिससे यह परिसर सकारात्मक और पवित्र उर्जा से भरपूर रहेगा । उनके द्वारा शताब्दी स्मृति स्तंभ का शिलान्यास किया गया है जो हमारी राजनीतिक विरासत से नई पीढ़ी को हमेशा अवगत करायेगी ।

माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा शुभारंभ किये गये नैतिक एवं सामाजिक संकल्प अभियान से संबंधित विषय का उल्लेख शिमला में आयोजित अखिल भारतीय पीठासीन पदाधिकारियों के शताब्दी वर्ष समारोह तथा इसके 82वें सम्मेलन के दौरान मेरे भाषण में किया गया, जिसकी सराहना सभी पीठासीन पदाधिकारियों द्वारा की गयी और इसके लिए जन जागरूकता अभियान चलाने पर भी सहमति बनी।

हम पूरे सदन की ओर से माननीय राष्ट्रपति जी का इसके लिए ह्रदय से आभार व्यक्त करते हैं । साथ ही इस समारोह के सफल आयोजन के लिए बिहार के माननीय मुख्यमंत्री सहित बिहार सरकार एवं बिहार के सभी माननीय सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं ।

सौ वर्षों के इस ऐतिहासिक सफर में बिहार विधान सभा ने जनसमस्याओं के निवारण और जनजीवन को सुखी बनाने के लिए अद्‌भुत प्रयास किये हैं । उस प्रयास की कड़ी को पूरी सजगता, संवेदनशीलता और निष्ठा से हमें आगे बढ़ाना है ।

यह सत्र छोटा होते हुए भी बहुत महत्वपूर्ण है । इसमें आप सबों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है, क्योंकि प्रदेश की समस्याओं के निवारण के लिए सदन में सार्थक विमर्श होना जरूरी है और यह विमर्श आपके अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर सदन की मर्यादा और परंपरा के अनुकूल आपकी उपस्थिति से ही सफल हो पायेगा ।

यह सदन बिहार की करोड़ो जनता की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है और जनता ने बड़ी सजगता से भरोसा कर सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दोनों को बिहार के हित में सदन में रचनात्मक भूमिका निभाने का दायित्व दिया है । उनकी पैनी निगाहें हमारी निगाहबानी कर रही हैं । हमें उनकी आशा और आकांक्षाओं के अनुरूप उनके जीवन में खुशियाँ लाने के लिए अपने दायित्वों को पूरी सकारात्मकता से निभाना होगा ।

मुझे विश्वास है कि सत्र के सफल संचालन में आप सभी माननीय सदस्यों का सकारात्मक सहयोग प्राप्त होगा ।